Regarding Mangarhdham Movement of 1913

डॉ. मन्ना लाल रावत (उदयपुर) : सभापति महोदय, धन्यवाद ।

महोदय, स्वाधीनता संग्राम के दौरान वर्ष 1908 से वर्ष 1913 के बीच में राजस्थान, गुजरात व मध्य प्रदेश की सीमा पर मानगढ़ धाम आंदोलन हुआ था । उस आंदोलन में गोविंद गुरू जी के नेतृत्व में भील भक्तों ने वैदिक हवन, यज्ञ, महादेव की भक्ति, गुरू भक्ति, पूर्णिमा का मेला और भगवा ध्वज लेकर सामाजिक समरसता के आधार आंदोलन किया था ।

महोदय, यहां जो गीत गाए गए उनमें भारत को जाम्बू खंड और दिल्ली में कलम है, ऐसा एक प्रतीकात्मक गीत भी गाया गया । ऐसा लगता है कि उसमें इकोसिस्टम, जो औपनिवेशिक सत्ता का था, उसके खिलाफ एक बहुत बड़ा आंदोलन था ।

मेरा निवेदन यह है कि यहाँ जो आदिवासी सनातनी भगत हुए हैं, उनकी शहादत की गाथा पूरे विश्व के सामने नहीं आ पायी है । मेरा यह आग्रह है कि भारत की दृष्टि से स्वाधीनता का जो भाव है, उसको लेकर लेखन हो, उस गाथा का प्रकाशन हो, यहाँ तक कि वेब सीरीज भी बनायी जा सकती है और मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक भी बनाया जा सकता है । जैसे कि अल्लूरी राजू और कोमराम भील के आधार पर एक फिल्म ?आरआरआर? आयी थी, उसी तरीके से इसमें एक बड़ा काम हो सकता है । ऐसा मेरा आग्रह है । धन्यवाद ।